PAPER-III
DOGRI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J 3 3 1 3

Time : **2 $^{1}/_{2}$** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal / polythene bag on the booklet. Do not accept a booklet without sticker-seal / without polythene bag and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील / पोलिथीन बैग को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील / बिना पोलिथीन बैग की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

डोगरी

प्रश्नपत्र – III

नोट : इस पेपर च **पच्हत्तर (75)** मते विकल्पी सुआल न । हर सुआल दे **दो (2)** नंबर न । **सारे** सुआल जरूरी न ।

1. प्रयोग दे आधार उप्पर भाशा दे रूप न :

(अ) साहित्यक भाशा

(ब) राज-भाशा

(स) प्राचीन भाशा

(द) व्यक्ति बोल्ली

(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) सिर्फ (अ) ठीक ऐ ।

(D) सिर्फ (अ) ते (ब) ठीक न ।

2. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) भाशा	(i) इक कालिक
(ब) वाणी	(ii) भावातीत
(स) वर्णनात्मक भाशाविज्ञान	(iii) ध्वनिग्राम
(द) क्	(iv) स्थूल

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

3. संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया विशेशन ते संबंध सूचक दे स्हाबें हेठ दित्ते दे प्रयोगें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) चपारै, मेर-तेर, दे सामनै, आपूं

(B) मेर-तेर, आपूं, चपारै, दे सामनै

(C) दे सामनै, आपूं, चपारै, मेर-तेर

(D) चपारै, मेर-तेर, आपूं, दे सामनै

4. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A कोश विज्ञान दी प्रक्रिया च केईं चरण होंदे न, जिं'दे च शब्द-चयन, उच्चारण, व्याकरण, व्युत्पत्ति, पर्याय जां व्याख्या, शब्द-प्रयोग दे उदाहरण आदि शामल होंदे न ।

R कोश कीजे बड़ियें किस्में दे होंदे न ते हर कोश दे अपने-अपने उद्देश्य होंदे न; इसकरी जरूरी नेईं जे सभनें कोशें दी प्रक्रिया दे चरण इन्ने गै होन, घट्ट बद्ध बी होई सकदे न ।

(A) A ते R दोऐ ठीक न ।

(B) A ठीक ऐ ते R बी, पर R दी A कन्नै कोई संगति नेईं ।

(C) A गल्त ते R स्हेई ऐ ।

(D) A बी स्हेई ऐ ते R बी । R A दी व्याख्या करदे-करदे कोश-निर्माण दी प्रक्रिया गी बी स्पश्ट करा करदा ऐ ।

5. इं'दे च सघोश, उढ़कना, मूर्धन्य व्यंजन ऐ :

(A) ट् (B) र्

(C) ड् (D) ठ्

6. उपसर्ग:

(अ) शब्दें दे शुरू ते आखर च बरतोंदे न ।

(ब) धनवान, रातोरात, बढ़ेपा शब्दें च मौजूद न ।

(स) सिर्फ शब्दें दे शुरू च बरतोइयै उ'नेंगी विशेश अर्थ दिंदे न ।

(द) अधकड़, सपुत्तर, बेजोड़ शब्दें च बरतोए दा ऐ ।

(A) (स) ते (द) ठीक न ।

(B) (अ) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) (अ) ते (ब) ठीक न ।

7. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) अपनापन	(i) सर्वनाम
(ब) दोरवी	(ii) क्रिया विशेशन
(स) सत्तें सबेल्लै	(iii) संज्ञा
(द) कु'न केह्ड़ा	(iv) विशेशन

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

8. जॉन बीम्स, केलाग ते रेल्फ़ लिले टर्नर भाशा विज्ञानियें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दी रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) An outline of Indian philology, A comparative dictionary of Indo-Aryan Languages & A grammar of Hindi Language.

(B) A grammar of Hindi Language, An outline of Indian philology & A comparative dictionary of Indo-Aryan Languages.

(C) An outline of Indian philology, A comparative dictionary of Indo-Aryan Languages, A grammar of Hindi Language.

(D) An outline of Indian philology, A grammar of Hindi Language and A comparative dictionary of Indo-Aryan Languages.

9. डोगरी विशेशन-पदें दी रचना च :

(अ) लिंग, वचन ते कारक-रूपायन होंदा ऐ ।

(ब) सभनें विशेशनें च लिंग, वचन ते कारक-रूपायन नेईं होंदा ।

(स) आकारांत विशेशनें गी हछोड़ियै बाकी सभनें विशेशनें च एह् रूपायन होंदा ऐ ।

(द) सिर्फ आकारांत विशेशनें च लिंग, वचन ते कारक-रूपायन होंदा ऐ ।

(A) (अ), (स), (द) ठीक न ।

(B) (अ) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ), (ब), (द) ठीक न ।

(D) (अ) ते (स) ठीक न ।

10. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) हरियाली	(i) भाववाचक संज्ञा
(ब) कुसै कन्नै	(ii) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(स) सपाही	(iii) जातिवाचक संज्ञा
(द) केह्-किश	(iv) प्रश्नवाचक सर्वनाम

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

11. मूल, यौगिक ते संयुक्त क्रिया विशेशनें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) ख'ल्लें, ख'ल्ल-उप्पर, ख'ल्ल

(B) ख'ल्ल, ख'ल्ल-उप्पर, ख'ल्लें

(C) ख'ल्ल-उप्पर, ख'ल्ल, ख'ल्लें

(D) ख'ल्ल, ख'ल्लें, ख'ल्ल-उप्पर

12. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A "जागत बल्लें-बल्लें टुरन लगी पेआ" वाक्य च क्रिया "टुरन लगी पेआ" संयुक्त क्रिया ऐ ।

R संयुक्त क्रिया-रचना च घट्टो-घट्ट द'ऊं क्रियाएं दी सांझ होंदी ऐ, इसलेई इसी संयुक्त क्रिया आखदे न ।

(A) A ठीक ऐ ते R बी ठीक ऐ ।

(B) A गल्त ऐ ते R बिल्कुल स्हेई ।

(C) A ते R दोऐ स्हेई ते R A दे कथन दी स्पश्ट व्याख्या करा दा ऐ ।

(D) सिर्फ A स्हेई ऐ R स्हेई नेईं ।

13. तुज़्क-ए-जहांगीरी पुस्तक दा 'नमेंडोगरे' अक्खरें च लिप्यंतरण होआ हा :

(A) महाराजा गुलाबसिंह दे राजकाल च ।

(B) महाराजा रणजीतदेव दे राजकाल च ।

(C) महाराजा प्रतापसिंह दे राजकाल च ।

(D) इं'दे चा कुसै दे बी राज-काल च नेईं ।

14. डोगरी भाशा दे उच्चारण च :

(अ) उच्ची, नींदी ते समतल त्रै सुरां न ।
(ब) बाह्र शब्द च उच्ची सुर ऐ ।
(स) ब्हार शब्द च नींदी सुर ऐ ।
(द) ब'रा शब्द च समतल सुर ऐ ।
(A) (अ) ते (ब) ठीक न ।
(B) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
(C) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

15. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) हे राम	(i) विशेशन-विशेष्य
(ब) मेजै दे उप्पर	(ii) संयुक्त क्रिया
(स) बेही गेआ	(iii) विस्मय सूचक
(द) लम्मा-मुट्टा सप्प	(iv) संबंध सूचक अव्यय समेत

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

16. झुल्ल बड़ा देआ पत्तरा :

(अ) इक गज़ल-संग्रैह् ऐ ।
(ब) इक आधुनिक काव्य ऐ ।
(स) दे रचनाकार जितेन्द्र उधमपुरी न ।
(द) दे रचनाकार अश्विनी मगोत्रा न ।
(A) (अ), (स) ते (ब) ठीक न ।
(B) (ब) ते (द) ठीक न ।
(C) (ब) ते (स) ठीक न ।
(D) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

17. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) गमले दे कैक्टस	(i) किशन स्मैल पुरी
(ब) रत्तु दा चानन	(ii) शिवराम दीप
(स) पीड़ें दी बरात	(iii) रामलाल शर्मा
(द) मेरियां डोगरी गजलां	(iv) जितेन्द्र उधमपुरी

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

18. तलखियां, बद्दली कलावे, गिल्ला बालन, पैह्लियां बांगां पुस्तकें दे स्हाबें इंदे लेखकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) कुंवर वियोगी, रामनाथ शास्त्री, ज्ञानेश्वर, वीरेन्द्र केसर
(B) रामनाथ शास्त्री, ज्ञानेश्वर, वीरेन्द्र केसर, कुंवर वियोगी
(C) ज्ञानेश्वर, रामनाथ शास्त्री, वीरेन्द्र केसर, कुंवर वियोगी
(D) वीरेन्द्र केसर, रामनाथ शास्त्री, कुंवर वियोगी, ज्ञानेश्वर

19. 'में मेले रा जानू' :

(अ) दे लेखक ओम्कार सिंह अवारा न ।
(ब) पुस्तक 1975 ब'रे च पुरस्कृत होई दी ऐ ।
(स) पुस्तक 1977 ब'रे च पुरस्कृत होई दी ऐ ।
(द) दे लेखक केह्रि सिंह मधुकर न ।
(A) (अ) ते (ब) ठीक न ।
(B) (ब) ते (द) ठीक न ।
(C) (स) ते (द) ठीक न ।
(D) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

20. 'डुग्गर धरती' कविता पुस्तक दी लेखिका न :

(A) कृष्णा प्रेम (B) चम्पा शर्मा
(C) संतोष खजूरिया (D) सुदेश राज

21. हाशिये पर :

(अ) भलेआं राजनीति पर आधारत इक उपन्यास ऐ ।
(ब) पिच्छड़े वर्ग दे संघर्श दी तर्जमानी करदा ऐ ।
(स) बक्खरी-बक्खरी क्हानियें दा संग्रैह् ऐ ।
(द) दे लेखक शैलेन्द्र सिंह न ।
(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (ब) ते (द) ठीक न ।
(D) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

22. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) सद्दरो दाई	(i) कृष्णा प्रेम
(ब) काले हत्थ	(ii) नरेन्द्र खजूरिया
(स) दुद्ध लहु जैह्र	(iii) मदन मोहन शर्मा
(द) दिर थुआड़ी	(iv) वेद राही

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(B)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

23. कालक्रम दे स्हाबें साहित्य अकादेमी दिल्ली पासेआ पुरस्कृत कताबें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) त्रिप-त्रिप चेते, चेते दियां ग'लियां, चेतें दी र्‌होल, चेतें दी चितकबरी

(B) चेतें दी र्‌होल, चेते दियां ग'लियां, त्रिप-त्रिप चेते, चेतें दी चितकबरी

(C) त्रिप-त्रिप चेते, चेतें दी चितकबरी, चेतें दी र्‌होल, चेते दियां ग'लियां

(D) चेते दी चितकबरी, चेतें दी र्‌होल, चेते दियां ग'लियां, त्रिप-त्रिप चेते

24. बक्खरे - बक्खरे सच :

(अ) इक क्हानी संग्रैह् ऐ ।

(ब) इक उपन्यास ऐ ।

(स) दे लेखक शिवदेव सिंह सुशील न ।

(द) दे लेखक शिवदेव सिंह मन्हास न ।

(A) (अ) ते (स) ठीक न ।

(B) (ब) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) (अ) ते (द) ठीक न ।

25. 'कविता रतन' दे रचनाकार न :

(A) मोहनलाल सपोलिया

(B) रघुनाथसिंह सम्याल

(C) गोगा राम साथी

(D) परमानंद अलमस्त

ख'ल्ल दित्ते दे पैह्रे गी पढ़ो, ते इ'नें सुआलें दा, अपनी समझा मताबक, उत्तर देंओ :

इक संवेदनशील मानवी संवाद दे रूपा च कविता माह्नू दी बुनियादी लोड़् ते कलात्मक उपलब्धियें च प्रमुख गिनी जंदी रेही ऐ, ते खबरै इ'यै वजह ऐ जे दुनिया दे सभनें जाती-घटकें, उं'दियें भाशाएं ते सभ्यताएं दा समूलचा शुरूआती ज्ञान ते अनुभव कमोवेश इस्सै काव्य-संपदा दे बन्न-सबन्नें रूपें ते शैलियें च इक स्रेश्ठ मानवी बिरसे दे रूपा च संचत ते सुलभ रेही सकेआ ऐ । इस स्हाबें जेकर अस एह् आखचै जे कविता कन्नै साढ़ा नाता उन्ना गै पराना ते सनातन ऐ, जिन्ना के मनुक्खी सभ्यता दा जानेआ गेदा इतिहास, ते नुहाड़ा रवांड दवांड अस्तित्व, तां कोई अत्योक्ति नेईं होग ।

कविता दे पक्खै च एह् गल्ल गलांदे होई मेरा मक्सद एह् कदापि नेईं जे मनुक्खी सभ्यता दे इतिहास च संवाद दे जेहड़े बन्न-सबन्ने रूप माह्नू ने अपनी लोड़ा मताबक तपाशे ते मढेरे न, उं'दा कुसै अर्थ च कविता दे मकाबले घट्ट म्हत्तव रेहा होऐ । जेकर साहित्यक रूपें दी गै गल्ल करचै तां कविता दे बरोबर नाट्य, आख्यान ते वैचारिक गद्य दी बन्न-सबन्नी विधाएं दे व्यहार दी इक लम्मी परंपरा आपूं साढ़ी अपनी भाशा च गै मजूद रेही ऐ ते अज्ज ते एह् निर्णा करी पाना बी कठन ऐ जे समकाली रचनाशीलता दा सारें शाबद्‌ध प्रभावशाली रूप कुस रचनात्मक विधा च संभव होई सके आ ऐ ।

26. काव्य संपदा इक स्रेश्ठ मानवी विरसे दे रूपा च संचत ते सुलभ रेही :

(A) की जे तमाम जाती घटकें ते उं'दी भाशाएं ते सभ्यताएं दा समूलचा शुरूआती ज्ञान ते अनुभव एह्दी बक्ख-बक्ख शैलियें च सुरक्खत रेहा ।

(B) सुर-ताल ते छंद दी वजह कन्नै एह् पाठकें, श्रोतें ते गायकें सांभी रक्खी ।

(C) लोक-कवियें इसदा बड़ा सुआगत कीता ।

(D) ज्ञान ते अनुभव दा खजाना होने करी एह्दा गायन होंदा रेहा ।

27. काव्य शास्त्रियें कविता गी गलाए दाऐ :

(A) इक छंदोबद्ध रचनात्मक कलाम ।

(B) इक संवेदनशील मानवी संवाद ।

(C) इक रवांड-दवांड अस्तिव आह्ली विधा ।

(D) मनुक्खी सभ्यता दी सांभ सम्हाल करने आह्ली साहित्यक बानगी ।

28. कविता कन्नै माह्नू दा नाता इन्ना पराना ऐ :

(A) जिन्ना मनुक्खी सभ्यता दा इतिहास ।

(B) जिन्ना मनुक्खी समाज दा पछौकड़ ।

(C) जिन्ना पराना कुसै जाति दा इतिहास ।

(D) जिन्ना कुसै भाँशा दे साहित्य दा इतिहास ।

29. मनुक्खी सभ्यता दे इतिहास च काव्य दे अलावा माह्नू आसेआ तपाशे गेदे बन्न-सबन्ने रूपें च शामल न :

(A) नाटक, क्हानी, उपन्यास

(B) नाट्य, आख्यान, वैचारिक गद्य बगैरा

(C) महाकाव्य, खंड काव्य,फलौह्नियां

(D) भाखां, त्रोटक, कुंडलियां

30. समकाली रचनाशीलता दा सारें शा बद्ध प्रभावशाली रूप कुस विधा च होई सके आऐ, इसदा निर्णा करी पाना असंभव ऐ :

(A) की जे अज्ज विधां मतियां रचोआ दियां न'पर स्तर उच्च नेईं ।

(B) कीजे अज्ज विधाएं दा सरूप ते सुआतम बदलोई गेदा ऐ ।

(C) कीजे अज्ज कविता गै नेईं बल्के हर विधा च संवेदनशीलता ते कलात्मकता दे गुण भरपूर न ।

(D) कीजे अज्ज रचनाशीलता दे गुण ते मजूद न पर संवेदनशीलता दे थाह्र मशीनीकरण मता ऐ ।

31. 'भाख' निबंध :

(अ) डुग्गर दी इक गायन शैली पर अधारत ऐ ।

(ब) चलम्मे ते उच्चे सुरें च रेहाड लाने दी क्रिया परबी विचार ऐ ।

(स) निबंध च भाख दा सरबंध सुरें कन्नै घट्ट शब्दें कन्नै मता ऐ ।

(द) दे लेखक वेदराही न ।

(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) (अ), (ब), (स) ते (द) सब्भै ठीक न ।

32. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) उत्तम खेती, मद्धम बपार	(i) नीलाम्बर देव शर्मा
(ब) किश अपने नां ऽ बारै	(ii) चम्पा शर्मा
(स) देस बगान्नै की चली एं	(iii) रब्बी मार, बेरोजगार
(द) परौह्न चारी	(iv) शक्ति शर्मा

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

33. श्याम लाल शर्मा, ओम गोस्वामी, विश्वनाथ खजूरिया, लक्ष्मी नारायण गद्य लेखकें दे क्रम दे स्हाबें इ'नें निबंधें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) खतोला, छड़ें दा कोठा, रवारा पुराण, चिमचा ब्हादर बनाम झोली चुक्क

(B) छड़ें दा कोठा, चिमचा ब्हादर बनाम झोली चुक्क, रवारा पुराण, खतोला

(C) रवारा पुराण, चिमचा ब्हादर बनाम झोली चुक्क, खतोला, छड़ें दा कोठा

(D) चिमचा ब्हादर बनाम झोली चुक्क, रवारा पुराण, खतोला, छड़ें दा कोठा

34. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानी 'निश्चयात्मक कथन' ते दूए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A कुत्ते गी वफादारी दा प्रतीक मन्नेआ गेदा ऐ । इस्सै करी सदियें थमां इसी मनुक्ख जाति ने अपना पालतू बनाई घरें च रक्खे दा ऐ ।

R कुत्ते दी सूंघने दी शक्ति तेज होंदी ऐ इस लेई गुज्जर-बक्करवाल अपने माल-बच्छे ते भिड्डें-बक्करियें दी राखी आस्तै ते नक्कै च सूंघने दी शक्ति कारण पुलस पासेआ बी चोरें ते अपराधियें दा पता लाने आस्तै इसदी मदद-मदाद लैती जंदी ऐ ।

(A) A गल्त ऐ ते R A दी पुश्टि बी आंशिक करदा ऐ ।

(B) A स्हेई ऐ ते R A दी पुश्टि बी करदा ऐ ।

(C) A गल्त ऐ ते R स्हेई ऐ ।

(D) A स्हेई ऐ पर R A दी व्याख्या गल्त करा दा ऐ ।

35. इं'दे चा गद्य पुस्तक नेईं ऐ :

(A) चेतें दी चित कबरी

(B) चेते किश खट्टे, किश मिट्ठे

(C) चेते दियां ग'लियां

(D) चेतें दी र्‌होल

36. इं'दे चा डोगरी संस्था पासेआ प्रकाशत गद्य पुस्तकां न :

(अ) रम्जी सीरां

(ब) दिन-दिन जोत सोआई

(स) डोगरी लेख माला

(द) डोगरी लेख संग्रैह्

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(D) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

37. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) संस्मरण	(i) घमाई फिरे इ'नें लीडरें उप्परा
(ब) व्यंग लेख	(ii) बुआ फच्चां
(स) यात्रा लेख	(iii) इक सम्हाल
(द) रेखा चित्र	(iv) लंदन च चार दिन

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(B)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

38. रामनाथ शास्त्री, नीलाम्बर देव शर्मा, वीणा गुप्ता, ओम गोस्वामी गद्य लेखकें दे स्हाबें इंदी रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) गल्लें बड्डी अ'ऊं कुड़े करतूतें बड्डी तूं, परख-पड़ताल, मास्टरै दा ग्रांड, मर्हक्खे ।

(B) मर्हक्खे, परख-पड़ताल, मास्टरै दा ग्रांड, गल्लें बड्डी अ'ऊं कुड़े करतूतें बड्डी तूं ।

(C) परख-पड़ताल, मर्हक्खे, मास्टरै दा ग्रांड, गल्लें बड्डी अ'ऊं कुड़े करतूतें बड्डी तूं ।

(D) मास्टरै दा ग्रांड, मरह्क्खे, गल्लें बड्डी अ'ऊं कुड़े करतूतें बड्डी तूं, परख-पड़ताल ।

39. सुन्ना ते स्वार्थ :

(अ) मूल नां ऽ कांचन रंग ऐ ।

(ब) इसदा अनुवाद जितेन्द्र शर्मा होरें कीते दा ऐ ।

(स) बंगाली नाटक दा अनुवाद ऐ ।

(द) दे अनुवादक शम्भूमित्र न ।

(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक ऐ न ।

(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

40. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) इक परछामां बदली दा	(i) रामनाथ शास्त्री
(ब) मित्ती दी गड्डी	(ii) नरसिंह देव जम्वाल
(स) काला सूरज	(iii) मोहन सिंह
(द) रामलीला	(iv) मदन मोहन शर्मा

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

41. प्रकाशन दे स्हाबें इ'नें एकांकी संग्रेहें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) झकदियां किरणां, मकदे लोरे ठंडियां धारां, नवरंग, सतरंग ।

(B) मकदे लोरे ठंडियां धारां, झकदियां किरणां, सतरंग, नवरंग ।

(C) झकदियां किरणां, मकदे लोरे ठंडियां धारां, सतरंग, नवरंग ।

(D) नवरंग, सतरंग, झकदियां किरणां, मकदे लोरे ठंडियां धारां ।

42. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट 'कथन' न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A नाटक दी सफलता उसदे प्रस्तुति पक्ख दी सफलता उप्पर निर्भर करदी ऐ ते रंगमंची नाटकें दा प्रस्तुति पक्ख मंच कन्नै जुड़े दा होंदा ऐ ।

R की जे नाटक दे दृश्श काव्य होने करी इसगी रंगमंच उप्पर खढोंदे दिक्खियै आनन्द लैता जंदा ऐ ते रंगमंच उप्पर उं'दी प्रस्तुति च आंगिक (शरीरिक) वाचिक, आहार्य ते सात्विक चऊं चाल्लियें दे अभिनय दी सफलता च गै नाटक दी सफलता समझी जंदी ऐ ।

(A) A ठीक ऐ ते R उसदी व्याख्या ऐ ।

(B) A ते R दोऐ ठीक न ते R A दी युक्ति-युक्त व्याख्या करदा ऐ ।

(C) A ठीक ऐ ते R A दी पूरी व्याख्या नेईं करा करदा ।

(D) R ठीक ऐ ते A अधूरा-जन ऐ ।

43. 'नीलकंठ' नां ऽ दे एकांकी संग्रैह् च :

(A) चार एकांकी शामल न ।
(B) पंज एकांकी शामल न ।
(C) छे एकांकी शामल न ।
(D) सत्त एकांकी शामल न ।

44. 'कौड़े घुट्ट' :

(अ) समस्या प्रधान नाटक ऐ ।
(ब) दे लेखक नरसिंह देव जम्वाल न ।
(स) कवि रत्न शर्मा हुंदी रचना ऐ ।
(द) गी गुलाब भवन च केईं बारी खेढेआ गेदा ऐ ।

(A) (अ) ते (ब) स्हेई न ।
(B) (अ) ते (स) स्हेई न ।
(C) (ब) ते (द) स्हेई न ।
(D) (स) ते (द) स्हेई न ।

45. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) कलयुग दा परमात्मा	(i) शांता शर्मा
(ब) इक लड़ाई होर	(ii) नरसिंह देव जम्वाल
(स) त्रिफला	(iii) रत्न दोशी
(द) कच	(iv) मोहन सिंह

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

46. वक्रोक्ति :

(अ) भारती काव्यशास्तर दा इक मानता प्राप्त काव्य मापदंड ऐ ।
(ब) चमत्कारपूर्ण शैली च आखी गेदी गल्ल होंदी ऐ ।
(स) 'वक्रोक्ति जीवितम्' ग्रन्थ च इसदी बस्तार कन्नै चर्चा कीती गेदी ऐ ।
(द) इस सिद्धान्त दे प्रवर्तक आचार्य आनन्दवर्धन ए ।

(A) (अ) ते (ब) ठीक न ।
(B) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
(C) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
(D) (अ) ते (द) ठीक न ।

47. पैह्ली चंदी च दित्ती गेई दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) उत्साह	(i) अदभुत रस
(ब) क्रोध	(ii) बीभत्स रस
(स) जुगुप्सा	(iii) रौद्र रस
(द) विस्मय	(iv) वीर रस

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

48. काव्य-सिद्धान्तें दी स्थापना दे समें दे स्हाबें इं'दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) रस, रीति, अलंकार, वक्रोक्ति ।
(B) वक्रोक्ति, अलंकार, रस, रीति ।
(C) रस, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति ।
(D) अलंकार, वक्रोक्ति, रीति, रस ।

49. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A शब्द साहित्य रूपी पुरश दा शरीर न ते अर्थ आत्मा । इ'नें दौनें दे मेल कन्नै काव्य-रचना दी सिरजना होंदी ऐ ।
R इस इच दोशें दा नेईं होना ते काव्य-गुणें दा अवश्श होना अपेक्षित ऐ पर आचार्य मम्मट दा ते आखना ऐ जे काव्य च बशक्क अलंकारें दा प्रयोग कुदरै – कुतै नेईं बी होए दा होऐ ।

(A) A ते R दौए ठीक न की जे R, A आसेआ दित्ती गेदी काव्य दी परिभाशा गी पूर्णता प्रधान करदा ऐ; इस करी दवैं स्हेई न ।
(B) A (ए) पूरा स्हेई नेईं ऐ ।
(C) R (आर) बी पूरी चाल्लीं स्हेई नेईं ऐ ।
(D) दोऐ अद्धे-अधूरे स्हेई न ।

50. डोगरी 'काव्य चर्चा' दी लेखिका ऐ :

(A) प्रो. वेदघई ।
(B) प्रो. चम्पा शर्मा ।
(C) प्रो. वीणा गुप्ता ।
(D) प्रो. अर्चना केसर ।

51. डोगरी काव्य विवेचन :

(अ) डोगरी कविता, क्हानी, नाटक आदि लेखें पर लिखत आलोचना-पुस्तक ऐ ।

(ब) इसदा प्रकाशन कल्चरल अकैडमी पासेआ कीता गेदा ऐ ।

(स) इसदा प्रकाशन जम्मू युनिवर्सिटी दे डोगरी रिसर्च सैण्टर पासेआ करोआया गेदा ऐ ।

(द) इसदे संपादक प्रो. रामनाथ शास्त्री ते ओम गोस्वामी न ।

(A) (अ) ते (ब) ठीक न ।

(B) (ब) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) इं'दे चा इक बी ठीक नेईं ऐ ।

52. पैह्ली चंदी च दित्ती गेई दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) हास्य प्रधान रचना	(i) 'वीर गुलाब'
(ब) अद्भुत-रस प्रधान रचना	(ii) 'दो कींगरे'
(स) वीर-रस प्रधान रचना	(iii) 'गलारा'
(द) श्रृंगार रस प्रधान रचना	(iv) 'गुतलूं'

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

53. बिहाइयाँ :

(अ) उयाणें दे पैदा होने पर गाए जाने आहले गीत न ।

(ब) बेटियां सौह्रै बरधांदे गाए जाने आह्ले गीत न ।

(स) जागतें दे जनम पर गाए जाने आह्ले गीत न ।

(द) उयाणें गी सो आलने बेल्लै गाए जाने आह्ले गीत न ।

(A) (अ) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब) ते (स) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) (अ) ते (ब) ठीक न ।

54. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) भगती-परक लोकगीत	(i) बिशनपेत
(ब) भगती-परक भद्रवाही लोकगीत	(ii) ऐंजली
(स) मकानें पार छत्त पांदे होई गाए जाने आहले लोकगीत	(iii) रित्तड़ियां
(द) रूत्तां बादलोने कन्नै सरबंधत लोकगीत	(iv) गरलोढी

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

55. व्याह् च, संपन्न कीते जाने आह्ले संस्कारें दा क्रम दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

(A) गान्ना, सान्त, सेह्रा, चाब ।

(B) सान्त, गान्ना, चाब, सेह्रा ।

(C) सेह्रा, गान्ना, सान्त, चाब ।

(D) चाब, सेह्रा, गान्ना, सान्त ।

56. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A पालकी लक्कड़ी दा इक सन्हाकड़ा वांहन होंदा ऐ जिस दा प्रयोग नयी ब्याह्ता गी प्यौके थमां सौह्रा भेजे लेई कीता जंदा रेहा ऐ । पालकी गी चुक्कने आह्ले 'क्हार' खोआंदे न ।

R राज घरानें दियां नारां बी पालकी च गै कुतै जंदियां - औं दियां हियां ।

(A) A अधूरा ऐ ते R उसदी पूर्ति करदा ऐ

(B) A ठीक ऐ ते R गल्त ऐ ।

(C) R (आर) स्हेई नेईं ऐ ।

(D) A अधूरी जानकारी दिंदा ऐ ते स्हेई नेईं ऐ ।

57. 'मढ़ ब्लाक दे शहीद' कताबा दे लेखक न :

(A) रोमालसिंह मड़वाल

(B) गोगा राम सांथी

(C) सुरेन्द्र गंडलगाल

(D) राम लाल पपीहा

58. फुम्मनी :

(अ) डुग्गर दे कंढी अलोक दा लोकनाच ऐ ।

(ब) बावा सुरगल दी चौकी दे पिच्छे चलदे नर्तकें आसेआ नच्चेआ जंदा ऐ ।

(स) फुम्मनी अत्रैणी पर नच्चेआ जंदा ऐ ।

(द) कृष्ण जन्माष्टमी दे अगले रोज गुग्गेआ नौमीं पर नच्चेआ जंदा ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब), (द) ते (स) ठीक न ।

(C) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(D) (स), (द) ते (अ) ठीक न ।

59. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) तुलसी एकादशी	(i) भाद्रों म्हीने दे तेहार
(ब) बच्छ-दुआह् ते द्रुबड़ी	(ii) फग्गनै दा तेहार
(स) शिवरात्री	(iii) कत्ते म्हाने दे तेहार
(द) होली ते बसैन्त	(iv) चेत्तर म्हीने दा तेआर

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(iii)
(D)	(ii)	(iii)	(ii)	(i)

60. इं'दे च जान नीतां आइयां, मकोड़ें फंगां लाइयां :

(A) इक क्हावत ऐ ।

(B) डोगरी लोकगीतै दी इक पंगत ऐ ।

(C) इक फलौनी ऐ ।

(D) इक चाल्ली दी मकोड़ा जाति ऐ ।

61. नाटक अनुवाद च संबोधन :

(अ) लक्ष्य भाशा दे मंच ते परिवेश मताबक होने चाहिदे न ।

(ब) स्रोत भाशा दे पात्तरें दे सुआतम गी सुरक्षत रक्खने करी मूल गै रौह्ने चाहिदे न ।

(स) भाएं मूल होन जां लक्ष्य भाशा दे परिवेश मताबक, पर उ'नेंगी बोलने दा ढंग-तरीका लक्ष्य भाशा दे समाज मताबक होना चाहिदा ।

(द) जेकर मूल ते लक्ष्य भाशा दे समाजी परिवेश च फर्क नेईं दे बरोबर होऐ तां मूल संबोधनें गी तरजीह् देइयै उ'नेंगी कुआलने दा तरीका लक्ष्य भाशा-समाज दा होना चाहिदा ।

(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(B) (अ) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

62. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) साशिया दी क्हानी	(i) नरेन्द्र शर्मा
(ब) मेरा बचपन	(ii) नीलाम्बर देव शर्मा
(स) वोल्गा थमां गंगा	(iii) वीणा गुप्ता
(द) आलोक पर्व	(iv) शक्ति शर्मा

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

63. गणनायक, धूं ऽ गै धूं ऽ, डुआरी कबूतरें दी, जंगल टापू इ'नें अनूदित पुस्तकें दे क्रम दे स्हाबें इं'दे अनुवादकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) चम्पा शर्मा, कृष्णा शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, विजय वर्मा ।

(B) विजय वर्मा, जितेन्द्र शर्मा, चम्पा शर्मा, कृष्णा शर्मा ।

(C) कृष्णा शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, चम्पा शर्मा, विजय वर्मा ।

(D) जितेन्द्र शर्मा, विजय वर्मा कृष्णा शर्मा, चम्पा शर्मा ।

64. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A कथा-साहित्य दे अनुवाद दे बारे च एह् धारणा बड़ी आम रेही ऐ जे एह् कविता दे अनुवाद कशा सौखा होंदा ऐ । एह् धारणा मनासब नेईं ।

R की जे कविता दे अनुवाद च अनुवादक दा अपना प्रभाव पूरी चाल्ली कन्नै रौंहदा ऐ ओह् अपने व्यक्तित्व दे आधार उप्पर गै अनुवाद ही रचना करदा ऐ, पर कथा-साहित्य च एह् छूट नेईं होंदी । उस च अनुवादक गी मूल दा पूरा अनुसरण करना पौंदा ऐ ।

(A) A ते R दोऐ बड़े जटिल न, इक बी स्पश्ट नेईं ।

(B) A बी ठीक ऐ ते R बी ठीक ऐ ।

(C) A ठीक ऐ पर R A गी स्पश्ट नेईं करदा ।

(D) A ते R दोऐ ठीक न । R A दे कथन गी ठीक चाल्ली कन्नै पुश्ट बी करदा ऐ ।

65. कनूनी साहित्य आस्तै अनुवाद दा एह् भेद उपयुक्त ऐ :

(A) शब्दानुवाद । (B) मूल मुक्त अनुवाद ।

(C) भावानुवाद । (D) सार-अनुवाद ।

66. नाटक-अनुवाद :
(अ) दी इक खास तकनीक ते प्रक्रिया होंदी ऐ ।
(ब) दा कम्म बी उन्ना औखा ऐ, जिन्ना नाटक लिखना ।
(स) नाटक कन्नै जुड़े दा व्यक्ति गै करी सकदा ऐ ।
(द) कोई बी गद्य लेखक नाटक दा सुंदर-सरोखड़ अनुवाद करी सकदा ऐ ।
(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(B) (अ) ते (स) ठीक न ।
(C) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
(D) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

67. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) अस, तुस ते ओह्	(i) निर्मल वर्मा
(ब) काले कां ते काला पानी	(ii) सुधा मूर्ति
(स) अक्खर गास	(iii) शांता गांधी
(द) जसमां	(iv) सीताकांत महापात्र

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(iv)
(D)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

68. 1969, 1970, 1971 ते 1972 ब'रें दे क्रम दे स्हावें इ'नें अनूदित रचनाएँ दा प्रकाशन क्रम ऐ :
(A) परिणीता, दो टुप्पे द्यान, बत्तै दे दावेदार, मृगनयनी ।
(B) मृगनयनी, बत्तैदे दावेदार, दो टुप्पे द्यान, परिणीता ।
(C) दो टुप्पे द्यान, परिणीता, मृगनयनी, बत्तै दे दावेदार ।
(D) परिणीता, दो टुप्पे द्यान, मृगनयनी, बत्तै दे दावेदार ।

69. 'डोगरा मंडल दिल्ली' पासेआ प्रकाशत पत्रिका 'नमीं चेतना' दे पैहले अंक च :
(अ) डोगरी आस्तै पं'जी सके हे ।
(ब) हिंदी आस्तै सोलां सके हे ।
(स) उर्दू आस्तै अट्ठ सके हे ।
(द) अंग्रेजी आस्तै सत्त सके हे ।
(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
(D) (अ), (ब), (स) ते (द) सब्भै ठीक न ।

70. 'रणवीर' पत्रिका दे संपादक रेह् न :
(A) ओम गोस्वामी
(B) मनसा राम शर्मा 'चंचल'
(C) मोहन लाल सपोलिया
(D) सहदेव रोमित्रा

71. शिक्षा ते मनोरंजन दे परम्परागत माध्यम न :
(अ) लोक चित्रकला (ब) लोकनाच
(स) लोक नाटक (द) शंख
(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(D) (अ) ते (द) ठीक न ।

72. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) डोगरी दा पैह्ला अखबार	(i) डुआठन
(ब) पैह्ली बाल पत्रिका	(ii) पनीरी
(स) सप्ताहिक अखबार	(iii) डोगरा मित्तर
(द) बम्बई थमां निकलने आह्ली पत्रिका	(iv) शंखधुन

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

73. जेम्स अगस्ट हिकी, महात्मा गांधी, अरविंद घोष, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक संपादकें दे क्रम दे स्हाबें समाचार पत्रें दे स्हेई क्रम ऐ :
(A) बंगाल गजट, केसरी, हरिजन, वंदे मातरम्
(B) बंगाल गजट, वंदे मातरम्, हरिजन, केसरी
(C) केसरी, बंगाल गजट, हरिजन, वंदे मातरम्
(D) बंगाल गजट, हरिजन, वंदे मातरम्, केसरी

74. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :
A श्री रेडफील्ड तार, टेलीफोन, रेडियो बगैरा गी संचार दे तकनीकी साधन मात्र मनदे न ।
R उं'दा विचार ऐ जे संचार दा व्यापक रूप च अर्थ उस क्षेत्र कन्नै ऐ जेह्दे राहें मनुक्खी भावें - विचारें ते तत्थें दा आपसी लैन-देन होंदा होऐ पर तार, रेडियो बगैरा संचार दे मात्र तकनीकी साधन न, संप्रेषण नेईं ।
(A) A गल्त ऐ पर R A दा स्पश्टीकरण स्हेई नेईं करदा ।
(B) A ते R दमैं ठीक न ते R A दा स्पश्टीकरण बी ठीक करा कर दाऐ ।
(C) A गलत ऐ पर R A दी व्याख्या ठीक करा करदा ऐ ।
(D) A स्हेई ऐ पर R गलत ऐ ।

75. संचार दी प्रक्रिया दा स्हेई क्रम ऐ :
(A) सुनना, समझना ते आखना
(B) आखना, सुनना ते समझना
(C) सुनना, आखना ते समझना
(D) समझना, सुनना ते आखना

Space For Rough Work